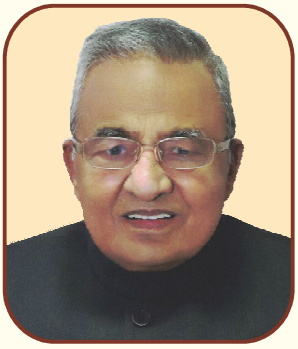

DR. SITARAM JINDAL

Dr. Sitaram Jindal stands as a remarkable figure in India's philanthropic and healthcare landscape. As the founder Chairman of Jindal Aluminium Limited (JAL), he has played a pivotal role in shaping the largest aluminum extrusion manufacturer in India. Beyond business, his contributions extend to the establishment of the S. Jindal Charitable Foundation, numerous trusts, hospitals, schools, and colleges, showcasing his unwavering commitment to yeomen services.

2. Born on 12th September 1932, in Nalwa village, Haryana, Dr. Jindal earned his bachelor's degree in 1957 from Calcutta University, followed by a doctorate in Naturopathy. His transformative experience with nature cure during his college days, led to the establishment of the Jindal Naturecure Institute (JNI), Bangalore in 1979, which has since gained global recognition for its unique humanitarian service in treating acute and chronic diseases. In contrast to conventional naturecure treatments prevalent at the time, Dr. Jindal embarked on a mission to modernize and innovate this overlooked science. Funding generously from Jindal Aluminium Limited (JAL), he established a research wing, elevating naturecure to new heights.

3. Dr. Jindal's tireless efforts have significantly impacted the field of drugless healing, with JNI emerging as a world-class facility specializing in the successful treatment of various ailments, from asthma and diabetes to arthritis and even certain cases of cancer. The institute has become a beacon of hope for those seeking drug-free alternatives globally. The greatest contribution of Dr. Jindal is innovation and introduction of a very effective drugless procedure, popularly known as 'DETOXIFICATION' which cleanses different systems, colon etc. in body very precisely, scientifically and safely. This has brought about revolution as numerous diseases are prevented and cured. A testament to his visionary leadership and immense contribution, Dr. Jindal has received accolades from eminent personalities, including former Prime Ministers such as Shri Atal Bihari Vajpayee, Shri Chandrashekhar, Shri I.K. Gujral, Shri Devi Lalji, Shri Ramakrishan Hegde, Former Chief Minister of Karnataka and many VIPs/ dignitaries. Their personal experiences as patients at JNI underscore the institute's transformative impact under Dr. Jindal's guidance.

4. Beyond healthcare, Dr. Jindal's commitment to the betterment of society extends to his native village, Nalwa, Haryana. Through the establishment of various entities, he has significantly benefited large surrounding population. His dedication to social welfare is evident in his support for thousands of underprivileged students through scholarships and financial backing for numerous NGOs committed to serving the poor. His strenuous efforts over 15 years, highlight his relentless pursuit of societal betterment.

5. Dr. Jindal's unparalleled contributions in healthcare, philanthropy, and societal reforms have left an indelible mark, making him a distinguished figure in India's history.

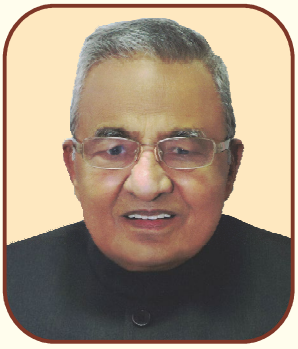

डॉ. सीताराम जिन्दल

डॉ. सीताराम जिन्दल भारत के समाजसेवी और स्वास्थ्य चर्या क्षेत्र में एक सुविख्यात व्यक्ति हैं। जिंदल एल्युमिनियम लिमिटेड (जेएएल) के संस्थापक अध्यक्ष के रूप में, उन्होंने भारत में सबसे बड़ी एल्युमिनियम निर्माता कंपनी को खड़ा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। व्यवसाय के अलावा, उन्होंने एस. जिंदल चैरिटेबल फाउंडेशन, कई ट्रस्ट, अस्पताल, विद्यालयों और महाविद्यालयों की स्थापना में योगदान दिया, जिससे जन सेवा के प्रति उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता दिखाई देती है।

2. डॉ. जिन्दल का जन्म 12 सितंबर 1932 को हरियाणा के नलवा गांव में हुआ था। उन्होंने 1957 में कलकत्ता विश्वविद्यालय से स्नातक किया। उसके बाद उन्होंने नेचुरोपैथी में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। कॉलेज के दिनों में प्राकृतिक उपचार के उनके महत्वपूर्ण अनुभव के आधार पर उन्होंने 1979 में बैंगलोर में जिंदल नेचर केयर इंस्टीट्यूट (जेएनआई) की स्थापना की, जो अब गंभीर और पुरानी बीमारियों के इलाज के क्षेत्र में अपनी अनूठी मानवीय सेवा के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। उस समय प्रचलित पारंपरिक प्राकृतिक उपचारों के विपरीत, डॉ. जिंदल ने विज्ञान के इस कम प्रचलित क्षेत्र के आधुनिकीकरण और नवाचार के लिए एक मिशन शुरू किया। जिंदल एल्युमिनियम लिमिटेड (जेएएल) के माध्यम से उदारता से धन मुहैया कराते हुए, उन्होंने एक अनुसंधान शाखा की स्थापना की और प्राकृतिक चिकित्सा को नए शिखर पर पहुंचाया।

3. डॉ. जिन्दल के अथक प्रयासों ने बिना दवा उपचार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है। जेएनआई एक विश्वस्तरीय संस्थान बनकर उभर रहा है तथा अनेक रोगों के साथ–साथ, अस्थमा और मधुमेह से लेकर आर्थराइटिस और यहां तक कि कैंसर की कुछ किस्मों के सफल उपचार में विशेषज्ञता प्राप्त की है। यह संस्थान पूरी दुनिया में दवा–मुक्त वैकल्पिक चिकित्सा करवाने वालों के लिए आशा की किरण बन गया है। डॉ. जिंदल का सबसे बड़ा योगदान नवाचार और एक बहुत ही प्रभावी ड्रगलेस प्रक्रिया की शुरुआत करना है, जिसे लोग 'डीटोक्सिफिकेशन' के नाम से जानते हैं जो शरीर में बहुत सटीक, वैज्ञानिक और सुरक्षित रूप से विभिन्न प्रणालियों, कोलोन आदि को साफ करता है। इससे प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में क्रांति सी आ गई है क्योंकि इससे कई बीमारियों की रोकथाम और उपचार किया जा रहा है। डॉ. जिंदल को उनके दूरदर्शी नेतृत्व और व्यापक योगदान स्वरूप, श्री अटल बिहारी वाजपेयी, श्री चंद्रशेखर, श्री आई.के. गुजराल जैसे पूर्व प्रधानमंत्रियों, श्री देवी लालजी, कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री श्री रामकृष्ण हेगड़े सहित प्रख्यात हस्तियों और कई गणमान्य व्यक्तियों की ओर से प्रशंसा प्राप्त हुई है। जेएनआई में उनके उपचार अनुभव डॉ. जिंदल के मार्गदर्शन में संस्थान के परिवर्तनकारी प्रभाव को दर्शाते हैं।

4. स्वास्थ्य सेवा के अलावा, समाज की बेहतरी के प्रति डॉ. जिन्दल की प्रतिबद्धता उनके पैतृक गांव, नलवा, हरियाणा में भी दिखती है। उनके द्वारा स्थापित विभिन्न संस्थाओं से आसपास की आबादी को भी बड़ा लाभ हुआ है। समाज कल्याण के प्रति उनका समर्पण छात्रवृत्ति के माध्यम से हजारों वंचित छात्रों को सहायता देने और गरीबों की सेवा के लिए प्रतिबद्ध कई गैर–सरकारी संगठनों की वित्तीय सहायता से दिखाई देता है। 15 वर्षों से अधिक समय से अनवरत कार्य, समाज की बेहतरी के प्रति उनके अथक प्रयास को उजागर करते हैं।

5. स्वास्थ्य सेवा, परोपकार और सामाजिक सुधारों के क्षेत्र में डॉ. जिन्दल के अप्रतिम योगदान ने एक अमिट छाप छोड़ी है और वह भारत के इतिहास में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति बन गए हैं।